सत्ता की साझेदारी Important Questions Class 10 Social Science (Civics) Chapter 1 in Hindi

1 अंक वाले प्रश्न :

प्रश्न 1 विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच सत्ता की साझेदारी का एक उदाहरण दें ?

उत्तर: बेल्जियम सामुदायिक सरकार

प्रश्न 2 बेल्जियम के फ्लेमिश इस क्षेत्र में मुख्यतः कौन सी भाषा बोली जाती है ?

उत्तर: डच

प्रश्न 3 बेल्जियम में कौन सा समुदाय अपेक्षाकृत समृद्ध तथा शक्तिशाली

उत्तर: फ्रेंच बोलने वाले

प्रश्न 4 बेल्जियम में कौन सी सरकार शिक्षा तथा संस्कृति जैसे मसलों पर फैसले लेती है ?

उत्तर: सामुदायिक सरकार

प्रश्न 5 सिंहली समुदाय के अधिकांश व्यक्ति किस धर्म को मानते हैं ?

उत्तर: बौद्ध धर्म

प्रश्न 6 1970 से 1993 के बीच बेल्जियम के संविधान में कितने संशोधन किए गए?

उत्तर: चार

प्रश्न 7 सिंहली समुदाय के प्रभुत्व को स्थापित करने के लिए श्रीलंका में किस तरह की शासन व्यवस्था स्थापित की गई ?

उत्तर: बहुसंख्यकवाद

प्रश्न 8 बेल्जियम में बोली जाने वाली भाषाएं कौन सी है ?

उत्तर: डच तथा फ्रेंच

प्रश्न 9 श्रीलंका की जनसंख्या में किस सामाजिक वर्ग की सबसे अधिक है ?

उत्तर: सिंहली

प्रश्न 10 बेल्जियम अपनी सीमा किन दो देशों के साथ साझा करता है ?

उत्तर: फ्रांस तथा लक्जमबर्ग

प्रश्न 11 श्री लंका का आधिकारिक धर्म कौन सा है ?

उत्तर: बौद्ध धर्म

प्रश्न 12 श्रीलंका में लाखों लोगों के मारे जाने और उनकी आजीविका छिन जाने का मुख्य कारण क्या था ?

उत्तर: गृह युद्ध

प्रश्न 13 यूरोपीय संघ का मुख्यालय कहां है ?

उत्तर: ब्रूसेल्स

प्रश्न 14 बेल्जियम के क्षेत्र में कौन सी भाषा बोली जाती है ?

उत्तर: फ्रेंच

प्रश्न 15 बूसेल्स की 80 प्रतिशत आबादी कौन सी भाषा बोलती है

उत्तर: फ्रेंच

3/5 अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1 सत्ता की साझेदारी के विभिन्न रूपों का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर:

- सत्ता का क्षैतिज वितरण – विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका।
- सत्ता का उर्ध्वाधर वितरण – केन्द्रीय सरकार, प्रांतीय सरकार और स्थानीय सरकार।
- सामुदायिक सरकार – विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच सत्ता की साझेदारी।
- दबाव समूह – दबाव समूहों के द्वारा भागदारी।

प्रश्न 2 बेल्जियम के समाज में विभिन्न भाषायी लोगों के बीच तनाव के क्या कारण थे?

उत्तर:

- बहुसंख्यक डच भाषा की अवहेलना
- अल्पसंख्यक फ्रेंच भाषी का अधिक ताकतवर और समृद्ध होना।
- आर्थिक विकास और शिक्षा का लाभ एक खास समुदाय तक सीमित रहना।
- राजनीतिक सत्ता एक समुदाय विशेष में केंद्रित थी।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 3 श्रीलंका में बहुसंख्यकवाद ने किस प्रकार सामाजिक तनाव को जन्म दिया ?

उत्तर:

- बहुसंख्यकवाद के तहत सिंहलियों के हितों का विशेष ध्यान रखा गया।
- सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सिंहलियों का एकाधिकार।
- सिंहली को एकमात्र राजभाषा का दर्जा।
- तमिलों के हितों को दरकिनार करना।
- तमिलों को राजनीतिक अधिकार से वंचित रखना।

प्रश्न 4 सत्ता की साझेदारी क्यों आवश्यक है ? तर्क दीजिए।

उत्तर:

- विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच टकराव को कम करना।
- यह लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुकूल है।
- यह राजनीतिक अस्थिरता को कम करता है।
- सत्ता में अधिक से अधिक लोगों को भागीदार बनाता है।

प्रश्न 5 सामाजिक विविधताओं वाले शासन में सत्ता का बँटवारा किस प्रकार किया जा सकता है?

उत्तर:

- विभिन्न सामाजिक समूहों जैसे – भाषायी और धार्मिक समूहों के बीच सत्ता का विभाजन।
- सामाजिक रूप से पिछड़े हुए लोगों और महिलाओं को विधायिका में हिस्सेदारी देना।
- अल्पसंख्यक समुदायों को आरक्षण देकर।
- अत्यंत पिछड़े हुए वर्ग के लिए अलग से सरकारी नीतियां बनाना।

प्रश्न 6 श्रीलंका में पास हुए 1950 के कानून के अनुसार सिंहली लोगों के वर्चस्व के तीन प्रावधान लिखिए।

उत्तर:

- सिंहली भाषा को श्रीलंका की राजकीय भाषा घोषित करना।
- सिंहली लोगों को शिक्षण संस्थाओं और सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता देना।
- सिंहली लोगों को राजनैतिक प्रक्रिया में स्वतंत्र रूप से भाग लेने का अधिकार।
- बौद्ध धर्म को पूजा अर्चना की पूर्ण स्वतंत्रता।

प्रश्न 7 सत्ता के ऊर्ध्वाधर वितरण और क्षैतिज वितरण में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर:

उर्ध्वाधर वितरण

- इसके अंतर्गत सरकार के विभिन्न स्तरों (केन्द्र, राज्य, स्थानीय सरकार) में सत्ता का बँटवारा होता है।
- इसमें उच्चतर तथा निम्नतर स्तर की सरकारें होती हैं।

- इसमें निम्नतर अंग उच्चतर अंग के अधीन काम करते हैं।

क्षैतिज वितरण :

- इसके अंतर्गत सरकार के विभिन्न अंगों (विधायिका, कार्य पालिका, न्यायपालिका) के बीच सत्ता का बँटवारा होता है। इसमें सरकार के विभिन्न अंग एक ही स्तर पर रहकर अपनी शक्ति का उपयोग करते हैं।
- इसमें प्रत्येक अंग एक दूसरे पर नियंत्रण रखता है।

प्रश्न 8 श्रीलंका में बहुसंख्यकवाद तथा इसके प्रभावों का वर्णन करें।

उत्तर:

श्रीलंका में बहुसंख्यकवाद :

- सिंहली को एकमात्र राजभाषा घोषित करना।
- विश्वविद्यालयों और सरकारी नौकरियों में सिंहलियों को प्राथमिकता।
- सरकार द्वारा बौद्ध मत को संरक्षण और बढ़ावा देना।

बहुसंख्यकवाद का प्रभाव :

- तमिलों की नाराजगी और शासन के प्रति बेगानेपन को बढ़ावा।
- 1980 के दशक में उत्तर-पूर्वी श्रीलंका में स्वतंत्र तमिल ईलम बनाने की माँग।
- सिंहली और तमिलों के बीच टकराव तथा गृहयुद्ध का जन्म।
- गृहयुद्ध के कारण हजारों लोगों का मारा जाना तथा बेघर होना।
- युद्ध के कारण देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन में दुष्प्रभाव।

प्रश्न 9 बेल्जियम में सामाजिक विविधताओं से उत्पन्न समस्याओं का समाधान कैसे किया गया?

उत्तर: बेल्जियम में सामाजिक विविधताओं से उत्पन्न समस्याओं का समाधान :

- केंद्रीय सरकार में डच और फ्रेंच भाषी मंत्रियों की समान संख्या।
- केन्द्रीय सरकार की अनेक शक्तियों को क्षेत्रीय सरकारों को सौंपना
- केन्द्रीय सरकार में दोनों समुदायों का समान प्रतिनिधित्व
- सामुदायिक सरकार का गठन
- क्षेत्रीय और सामुदायिक सरकारों को विभिन्न मामलों में निर्णय लेने की स्वतंत्रता।

प्रश्न 10 विभिन्न दबाव समूह और राजनीतिक दल किस प्रकार सत्ता के बँटवारे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ?

उत्तर:

- व्यापारी, उद्योगपति, किसान और औद्योगिक मजदूर जैसे कई संगठित हित समूहों का सक्रिय होना।
- हित समूह एवं दबाव समूह का सरकार की विभिन्न समितियों में सीधी भागीदारी करना।
- सरकार के ऊपर दबाव बनाकर महत्वपूर्ण फैसले के लिए सरकार को बाध्य करना।
- अपने-अपने वर्ग के हितों को बढ़ावा देना।

https://www.evidyarthi.in/

- जनता की मुख्य समस्याओं की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना।

प्रश्न 11 श्रीलंका तथा बेल्जियम की कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर: श्रीलंका तथा बेल्जियम की कहानी से हमें निम्नलिखित शिक्षा मिलती

- बेल्जियम के नेताओं को लगा कि विभिन्न समुदाय और क्षेत्र की भावनाओं का आदर करने पर ही देश की एकता संभव है।
- इस एहसास के चलते दोनों पक्ष सत्ता में साझेदारी करने पर सहमत हुए तथा देश में गृह युद्ध की आशंकाओं पर विराम लगा तथा देश का विभाजन होने से रह गया।
- श्रीलंका के उदाहरण से यह पता चलता है कि अगर बहुसंख्यक समुदाय दूसरों पर प्रभुत्व कायम करने तथा सत्ता में उनको हिस्सेदार न बनाने का फैसला करता है तो इससे देश की एकता संकट में पड़ सकती है

प्रश्न 12 दबाव समूह अथवा हित समूह लोकतंत्र में कैसे सत्ता में साझेदारी करते है ?

उत्तर: दबाव समूह अथवा हित समूह लोकतांत्रिक सत्ता में अप्रत्यक्ष रूप से साझेदारी करते हैं

- लोकतंत्र में व्यापारी, उद्योगपति, किसान और औद्योगिक मजदूर सरकार की विभिन्न समितियों में सीधी भागीदारी करते हैं।
- सरकार की नीतियों पर अपने सदस्य वर्ग के लाभ के लिए दबाव बनाते हैं।

प्रश्न 13 लोकतंत्र में 'नियंत्रण और संतुलन की व्यवस्था' से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर: लोकतंत्र में सरकार के विभिन्न अंगों जैसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता की साझेदारी होती है

- सरकार के विभिन्न अंग एक ही स्तर पर रहकर अपनी अपनी शक्ति का उपयोग करते हैं।
- कोई भी एक अंग सत्ता का असीमित उपयोग नहीं कर सकता। हर अंग दूसरे पर अंकुश रखता है इससे विभिन्न संस्थाओं के बीच सत्ता का संतुलन बनता है उदाहरण के लिए मंत्री विधायिका के प्रति उत्तरदायी होते हैं।
- न्यायपालिका की नियुक्ति कार्यपालिका करती है परंतु न्यायपालिका ही कार्यपालिका तथा विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों पर अंकुश रखती है। इस व्यवस्था को 'नियंत्रण और संतुलन' की व्यवस्था कहते हैं।